_सर्प एवं सर्पदंश प्रबन्धन पर प्रशिक्षण

दीपक कुमार रावत
(अनुदेशक नागरिक सुरक्षा)

कुछ चिन्तनीय तथ्य :–

- भारत में प्रतिवर्ष सर्पदंश के कारण 50000+ लोगों की मृत्यु होती है (सरकारी आंकड़ा)
- इसके पीड़ित मुख्यत: गरीब ग्रामवासी, किसान एवं मजदूर इत्यादि है।
- भारत में सर्पदंश का इलाज अभी भी ट्रायल एवं एरर मेथड स्तर पर है।
- भारत की 70 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या कार्य के लिहाज से सर्पदंश के खतरे के दायरे में आते है।
- ग्रामीण क्षेत्र में अभी भी सर्पदंश प्रबन्धन पूर्ण रूप से उपलब्ध नहीं है।
- ए0एस0वी0एस0–अभी तक भारत में उतना प्रचलित नहीं है जितना कि कंडोम।
- भारतीय जनसंख्या का एक बड़ा भाग अभी तक संर्पदंश उपचार के रूढ़िवादी पद्धति पर आश्रित है।

कुछ अन्य चिन्तनीय तथ्य –

देश	जहरीले सर्प:	बगैर जहर वाले सर्प :	सर्पदंश से मृत्यु	वर्ष
आस्ट्रेलिया	85%	15%	0	2009
अमेरिका	65+70%	35:+30%	09	2009
भारत	15%	85%	57000	2009

•भारत में पाये जाने वाले सापों पर एक नजर –

जहरीले सर्प	संभावित जहरीले सर्प	हल्के जहरीले साँप	बगैर जहर वाले साँप	कुल
61 प्रजाति	01 प्रजाति	42 प्रजाति	171	275

बगैर जहर वाले साँप

Brown Water Snake

Banded Water

बगैर जहर वाले साँप

Mud Snake

बगैर जहर वाले साँप

Scarlet King snake

बगौर जहर वाले साँप

Corn Snake

King

बगैर जहर वाले साँप

Eastern Coach whip

Black Racer

बगौर जहर वाले साँप

Rough Green Snake

बगैर जहर वाले साँप

Ribbon Snake

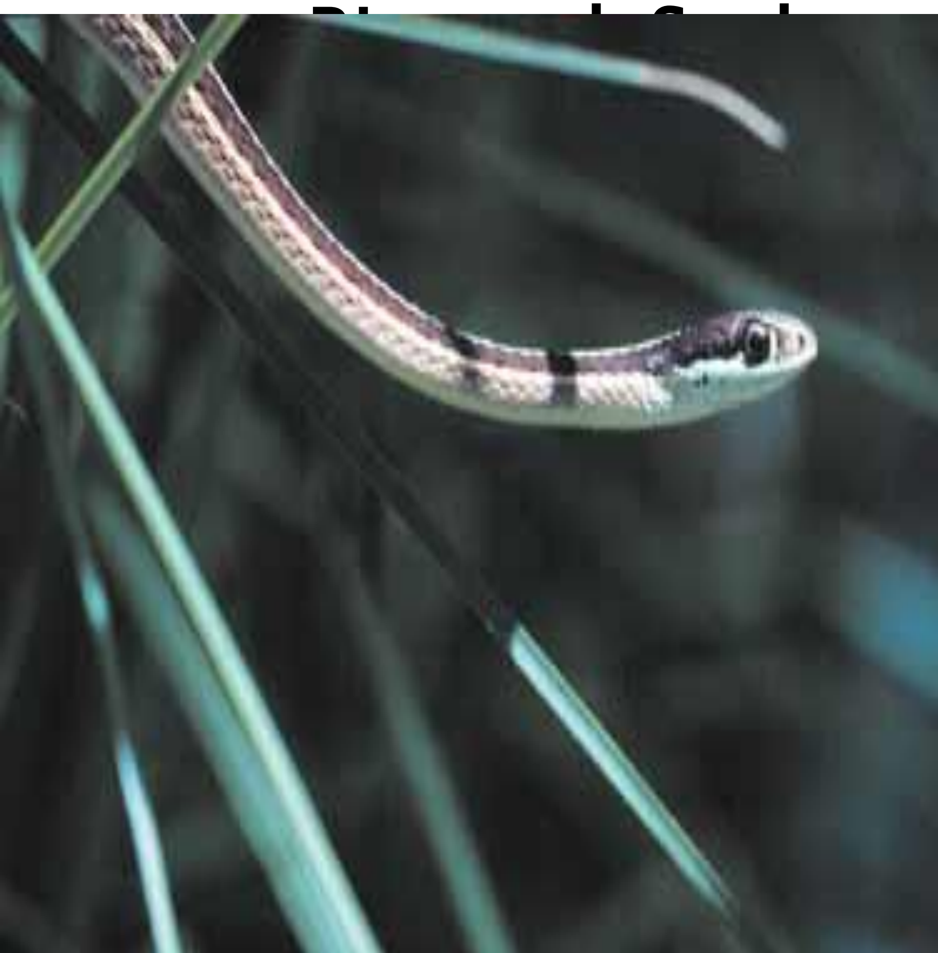

बगैर जहर वाले साँप

- Python

जहरीले सापों के पाये जाने वाले जगह :–

जमीन पर (ताजापानी एवं एस्च्यूरीज समेत)

- 42 प्रकार के

समुद्र में

- 20 प्रकार के

भारत में पाये जाने वाले चार बड़े खतरनाक जहरीले साँप

- स्पेक्टेक्ल कोबरा (नाजा नाजा)
- कॉमन करैत (बंगारूज कैरूलियस)
- रसैल्स वाइपर (डाबोइया रसैली)
- सॉ स्केल्ड वाइपर (एचिस कारिनेटस)

भारत में पाये जाने वाले चार बड़े खतरनाक जहरीले साँप

भारत में पाये जाने वाले चार बड़े खतरनाक जहरीले सॉप

भारत में पाये जाने वाले चार बड़े खतरनाक जहरीले सॉप

भारत में पाये जाने वाले चार बड़े खतरनाक जहरीले सॉप

भारत के अन्य समान रूप से खतरनाक जहरीले साॅप

- बैन्डेड करैत (बंगारूज फैस्सियेटस)
- मोनोक्लैड कोबरा (नाजा काउथिया)
- किंग कोबरा (ओफियोफेगए हानाह)
- ब्लैक करैत (बंगारूज नाइजर)
- सी स्नैक . हाइड्रोफिस, लेटिकाउडा, केरिलिया, प्रैस्कूटाटा, एन्हाइड्रिना, लेपेमिक, एस्ट्रोटिया एवं पेलामिए
- पिट वाइपर –ट्राइमेरेसुरस, प्रोटोबोथ्राप्स, ग्लाइडियस, हाइपनेल एवं ओवेफिस

कुछ अन्य जहरीले सॉप

मोनोक्लैड कोबरा

तथ्य

- अत्यधिक जहरीला
- वैनम न्यूरोटॉक्सक
- गुस्सैल नहीं होता
- इस प्रजाति का एंटी स्नैक वैनम सीरम भारत में उपलब्ध नहीं है।
- इस प्रजाति के ए.एस.वी.एस. को प्राप्त करने के लिए नजदीकी स्थल क्वीन सोवावा इन्स्टीच्यूट, थाईलैण्ड एवं थाई रैड कॉस सोसायटी है।

कुछ अन्य जहरीले साँप

बैन्डेड करैत

तथ्य

- अन्यधिक जहरीला
- वैनम न्यूरोटॉक्सिक
- गुस्सैल नहीं होता
- इस प्रजाती का एंटी स्नैक वैनम सीरम भारत में उपलब्ध नहीं है।
- ए.एस.वी.एम. को प्राप्त करने के लिए नजदीकी स्थल क्वीन सोवावा इन्स्टीच्यूट, थाइलैण्ड एवं थाईरेड कॉस सोसायटी है।

कुछ अन्य जहरीले साँप

fdax dkscjk	तथ्य

- अत्यधिक जहरीला
- भारी मात्रा में जहर प्रवेश करा सकता है।
- वैनम न्यूरोटॉक्सिक
- ज्यादा गुस्सैल नहीं होता
- भारत में इस प्रजाती का एंटीस्नैक वैनम सीरम उपलब्ध नहीं है।
- नजदीकी प्राप्त करने का स्थान सोवादा इन्स्टीच्यूट थाईलैण्ड कॉस सोसायटी है।

कुछ अन्य जहरीले सॉप

पिट वाइपर

इनका वैनम मनुष्य को मारने योग्य जहरीला नहीं होता अपवाद स्वरूप अगर कुछ एक

सर्पदंश सिनेरियो

- सर्पदंश बाढ़ की स्थिति में कहीं भी किसी भी समय हो सकता है।
- बाढ़ के दौरान साँप ऊँची और सूखी जगह की तलाश में रहता है।
- भारत के बड़े चार साँप सामान्यत: मनुष्य के साथ ही रहते हुए देखे गये है एवं इसी कारण बाढ़ के दौरान ज्यादा से ज्यादा सर्पदंश के केस होते है।
- दक्षिण पूर्वी एशिया में सबसे ज्यादा सर्पदंश एवं सबसे ज्यादा मृत्यु के लिए जिम्मेदार साँप रसैल्स वाइपर है।
- इस कम में दूसरा स्थान स्पैक्टेक्लैड कोबरा का है।
- नींद के दौरान सबसे ज्यादा सर्पदंश का जवाबदेह साँप कामन करैत है।

सॉप किस प्रकार काटता है?

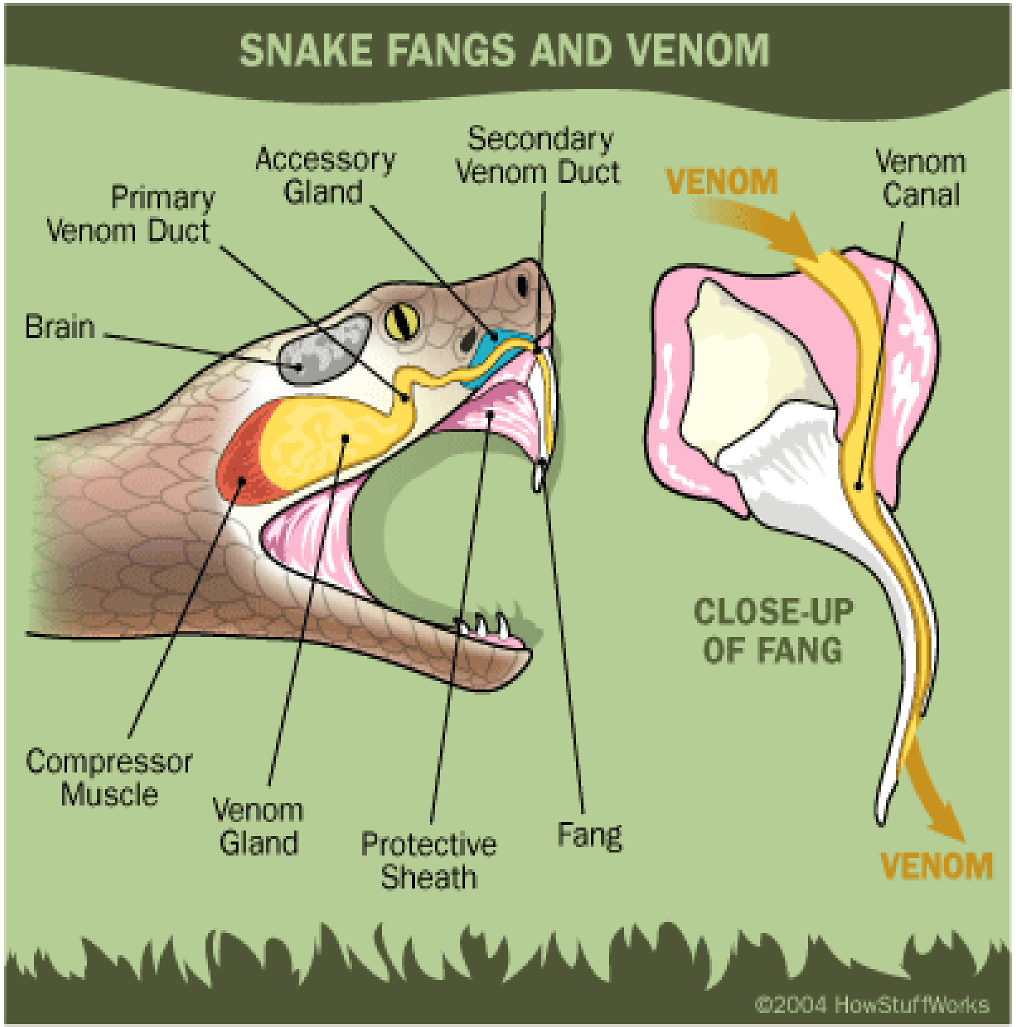

पता चलने वाले लक्षण

स्पैक्टेक्लैड कोबरा

लक्षण

- काटे गए जगह पर दर्द
- नींद आना
- साँस लेने में परेशानी
- धँसी हुई पलकें(Drooping eyelids) Ptosis.
- नेकोसिस (शरीर से कोशिकाओं की मृत्यु)
- पक्षाघात
- मुँह पर झाग का आना
- निगलने में परेशानी

पता चलने वाले लक्षण

कामन करैत

लक्षण

- नींद आना
- साँस लेने में परेशानी
- पेट में अत्यधिक दर्द
- धँसी हुई पलकें (Drooping eyelids) ptosis
- निगलने में परेशानी
- पक्षाघात
- जी मिचलाना

पता चलने वाले लक्षण

रसैल्स वाइपर लक्षण

- काटे गए जगह पर जलन के साथ दर्द
- पीठ के निचले हिस्से एवं लोइन ;स्वपदद्ध पसली के कमर के हड्डी के बीच की जगह) में दर्द।
- हेमोरेज के कारण भारी मात्रा में बाहरी एवं भीतरी खून का निकलना।
- अत्यधिक इनफलेमेशन
- काटे गये स्थान पर तेजी से सूजन।
- कभी–कभी चजवेपे (पलकों का बोझिल होना) नजर आता है।
- अत्यधिक नेक्रोसिस
- रेनल फेल्योर (किडनी का काम करना बंद कर देना)

पता चलने वाले लक्षण

सा स्केल्ड वाइपर

लक्षण

- काटे गये स्थान पर जलन एवं दर्द ।
- पीठ के निचले भाग एवं लोइन (पसली एवं कमर के हड्डी के बीच वाली जगह) पर दर्द ।
- हेमोरेज के कारण आन्तरिक कोशिकाओं एवं ब्राह्मय कोशिकाओं में रक्तस्राव ।
- अत्यधिक इन्फलेमेशन ।
- काटे गये स्थान पर तेजी से जलन।
- अत्यधिक नेकोसिस।

न्यूरोटॉक्सिक वेनम का असर ।

हेमोटॉक्सिक वेनम का असर ।

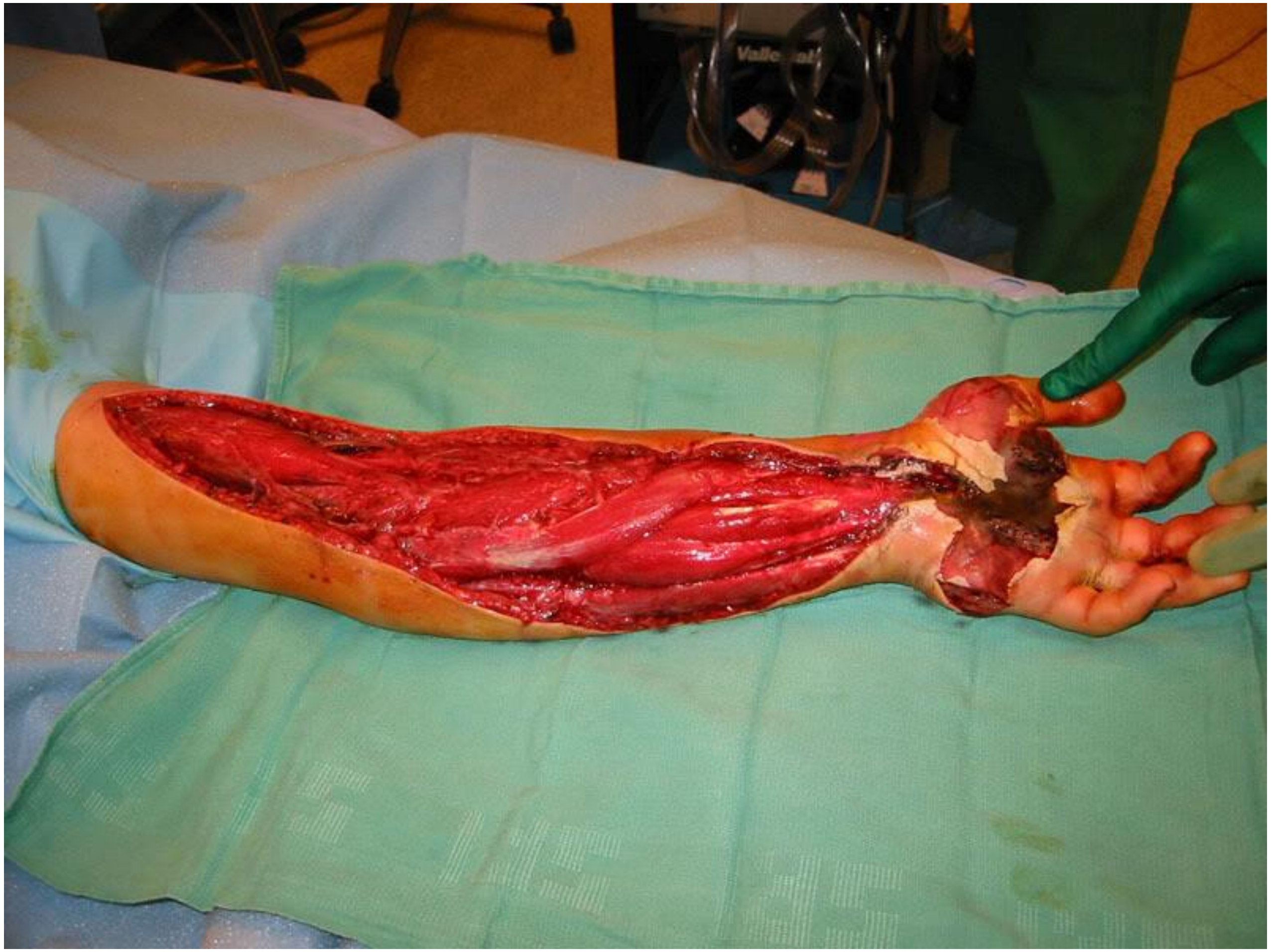

साइटोटॉक्सिक वेनम का असर ।

सर्प प्रबन्धन

यह शब्द समाहित करता है।

- साँप की पहचान
- साँप को हटाना
- साँप को पकड़ना
- साँप को किसी दूसरे जगह पर छोड़ना
- साँप की हैण्डलिंग करना
- साइन्टिफिक तरीके से साँप को सुरक्षित छोड़ना

Poisonous & Non Poisonous

Snakes	जहरीले साँप	बगैर जहरवाले साँप
सिर	त्रिकोण – अपवाद कोबरा	गोलाकार
सिर के सल्क	छोटा	बडा
बेली स्केल	फैला हुआ	छोटा पुरी चौडाई तक नही फैलता
फैंग (विषदंत)	उपस्थित	अनुपस्थित
पुतलियॉ	इलिप्टिकल पुतली	गोलाकार
एनल प्लेट	एक लाइन वाली प्लेट	दो लाइन वाली प्लेट
सॉप के आंख एवं नथुनों के बीच पिट या छेद	पिट वाइपर में उपस्थित	अनुपस्थित
बाइट का निशान	दंश का निशान	छोटे दॉतों की लाइन

जह्रीले एवं वगैर जहरवाले सॉप

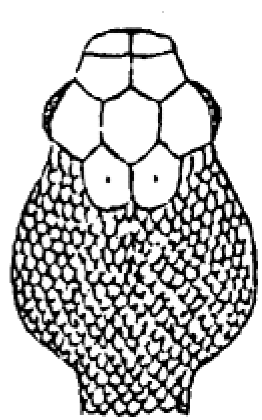

Venomous
Exception: Brown watersnake

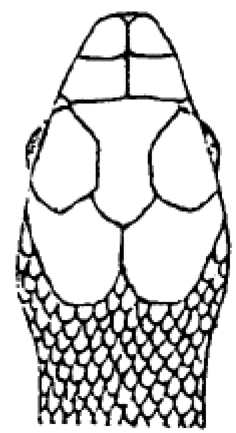

Nonvenomous
Exception: Coralsnake

जह्रीले एवं वगैर जहरवाले सॉप

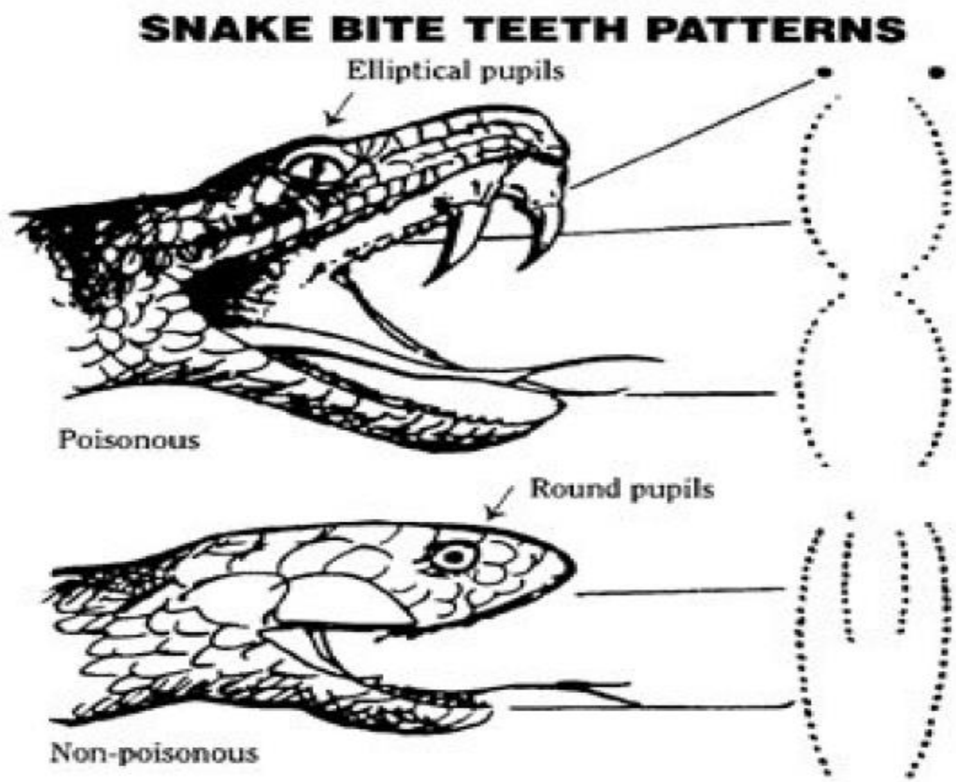

जह्रीले एवं वगैर जहरवाले साँप

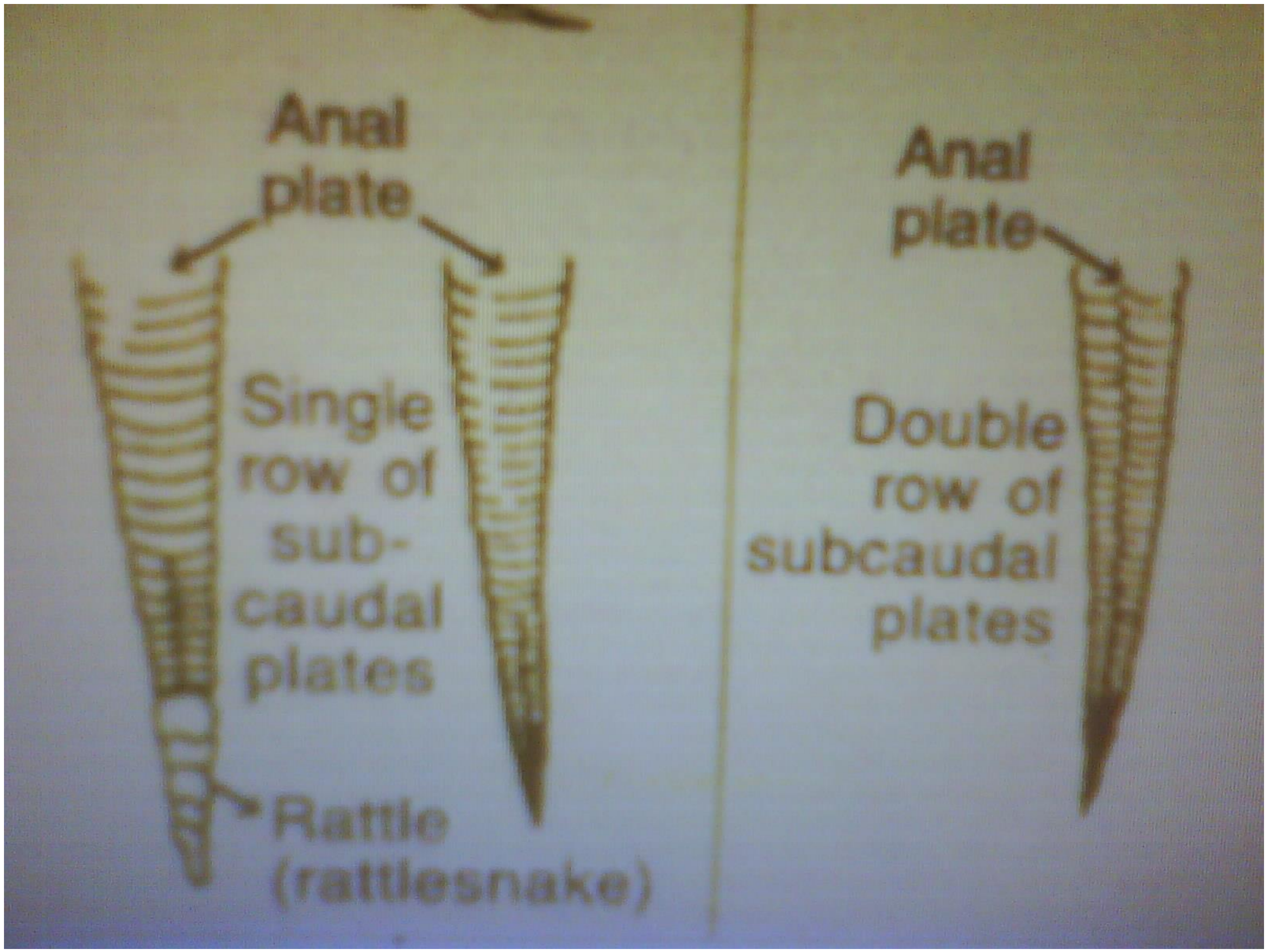

जहरीले एवं वगैर जहरवाले सॉप

सर्प दंश

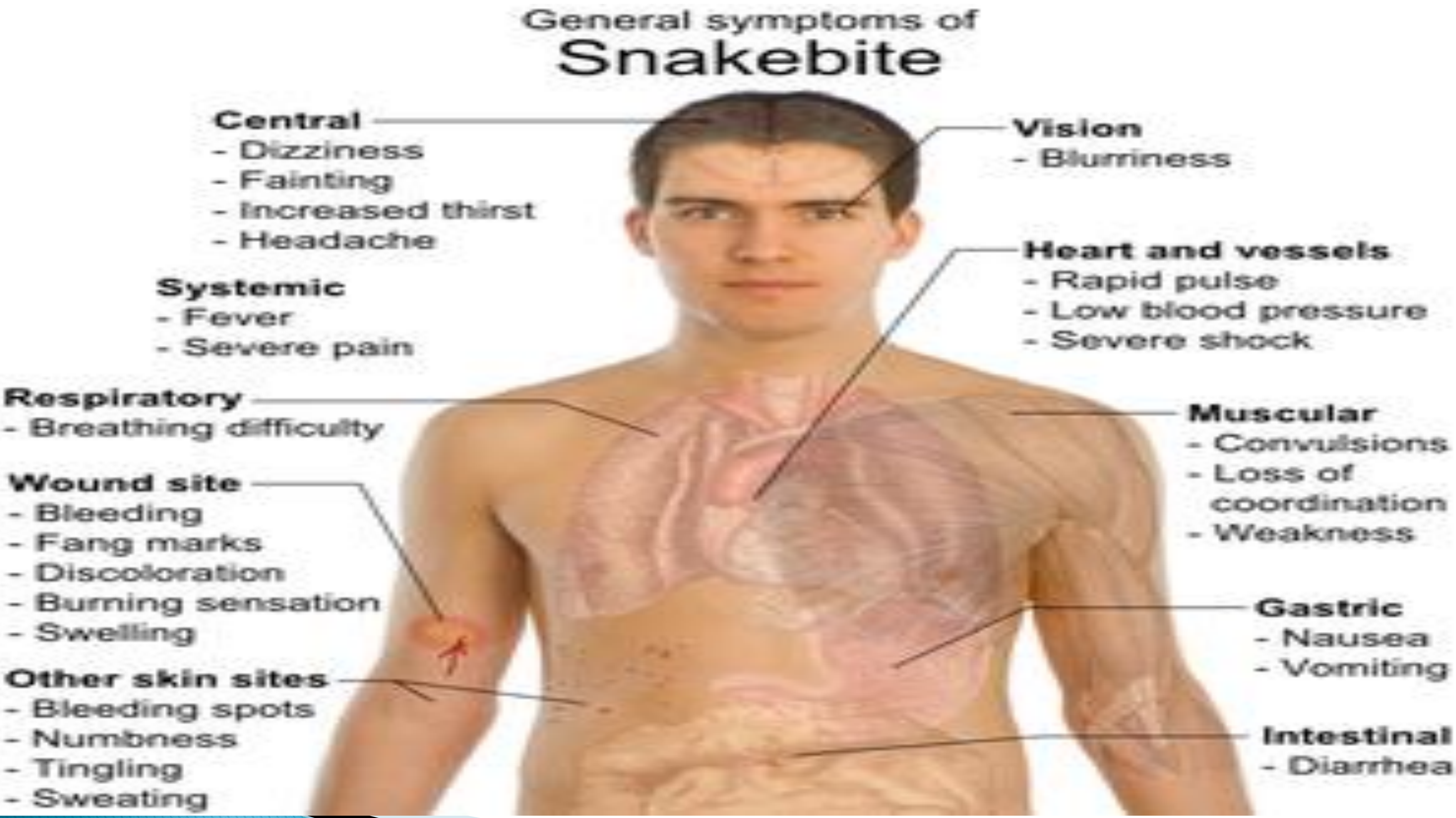

General symptoms of
Snakebite
Central
- Dizziness
- Fainting
- Increased thirst
- Headache
Systemic
- Fever
- Severe pain
Respiratory
- Breathing difficulty
Wound site
- Bleeding
- Fang marks
- Discoloration
- Burning sensation
- Swelling
Other skin sites
- Bleeding spots
- Numbness
- Tingling
- Sweating
Vision
- Blurriness
Heart and vessels
- Rapid pulse
- Low blood pressure
- Severe shock
Muscular
- Convulsions
- Loss of coordination
- Weakness
Gastric
- Nausea
- Vomiting
Intestinal
- Diarrhea

सर्पदंष प्रबंधन

- भय एवं चिन्ता न करें—सभी साँप जहरीले नहीं होते।
- सभी जहरीले साँपों के पास हर समय पूरा जहर नहीं होता अगर पूरा जहर हो तो भी वो इसका लिथल डोज हमेशा नहीं प्रवेश कराते है।
- जॉच करें कि जहरीले या बिना जहर वाले साँप ने काटा है। (फिर भी वगैर जहर के कहे जाने वाले साँप भी व्यक्ति विशेष के संक्रमित होने या एलर्जिक रिएक्शन का कारण बन सकते है।

- अगर मरीज लेटा हुआ है तो काटे गये अंग को शरीर के लेवल पर रखने की कोशिश करे। अंग को ऊपर उठाने से जहर शरीर में जा सकता है , शरीर के लेवल से नीचे रखने पर सूजन बढ़ सकती है।
- जितनी जल्दी हो सके नजदीकी अस्पताल या चिकित्सीय स्थान पर पहूँचने की कोशिश करें।

सर्पदंश प्रबंधन

क्या न करें?

- बर्फ अथवा अन्य ठंडे पदार्थ का इस्तेमाल काटे गये स्थान पर न करें। अनुसंधान के अनुसार यह खतरनाक हो सकता है।
- टुर्निकेट न बाँधे । इससे संबंधित अंग में रक्त प्रवाह पूरी तरह रूक सकता है एवं संबंधित अंग की क्षति हो सकती है।
- बिजली का झटका न दें । यह अभी भी अनुसंधान के अन्तर्गत है एवं इसके कारण मरीज को नुकसान पहूँच सकता है।
- काटे गये स्थल पर चीरा न लगाए। इसकी उपयोगिता सिद्ध नहीं हो सकी है एवं यह आगे नुकसान पहूँचाता है।

- काटे गये जगह को साबून पानी से घोए।
- काटे गये जगह को स्थिर करके रखे ।
- चिकित्सीय सहायता ले।

तुरन्त क्या करें ?

सॉप पकड़ने के कुछ तरीके

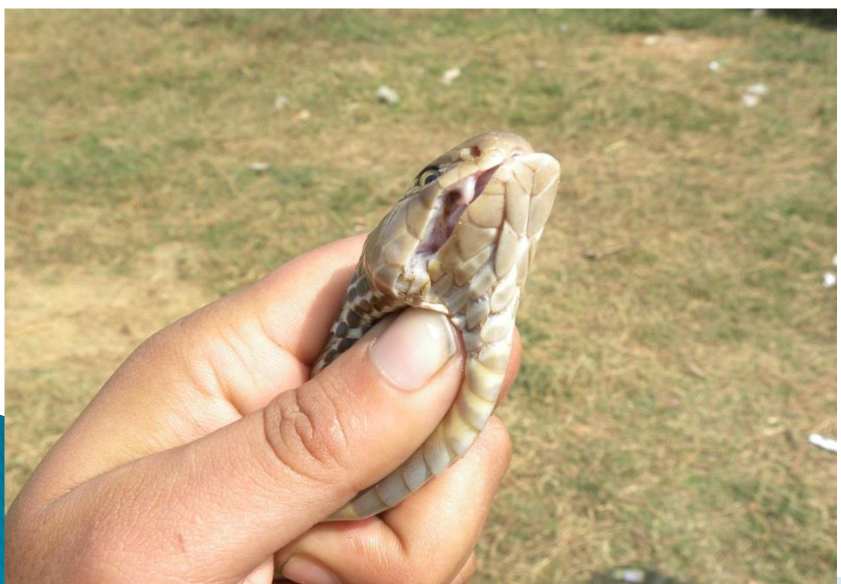

कोबरा हमेशा हरकत पर आकर्षित होता है।

कोबरा हमेशा हरकत पर आकर्षित होता है।

वाइपर किस प्रकार प्रहार करता है?

बहुत महत्वपूर्ण उपकरण

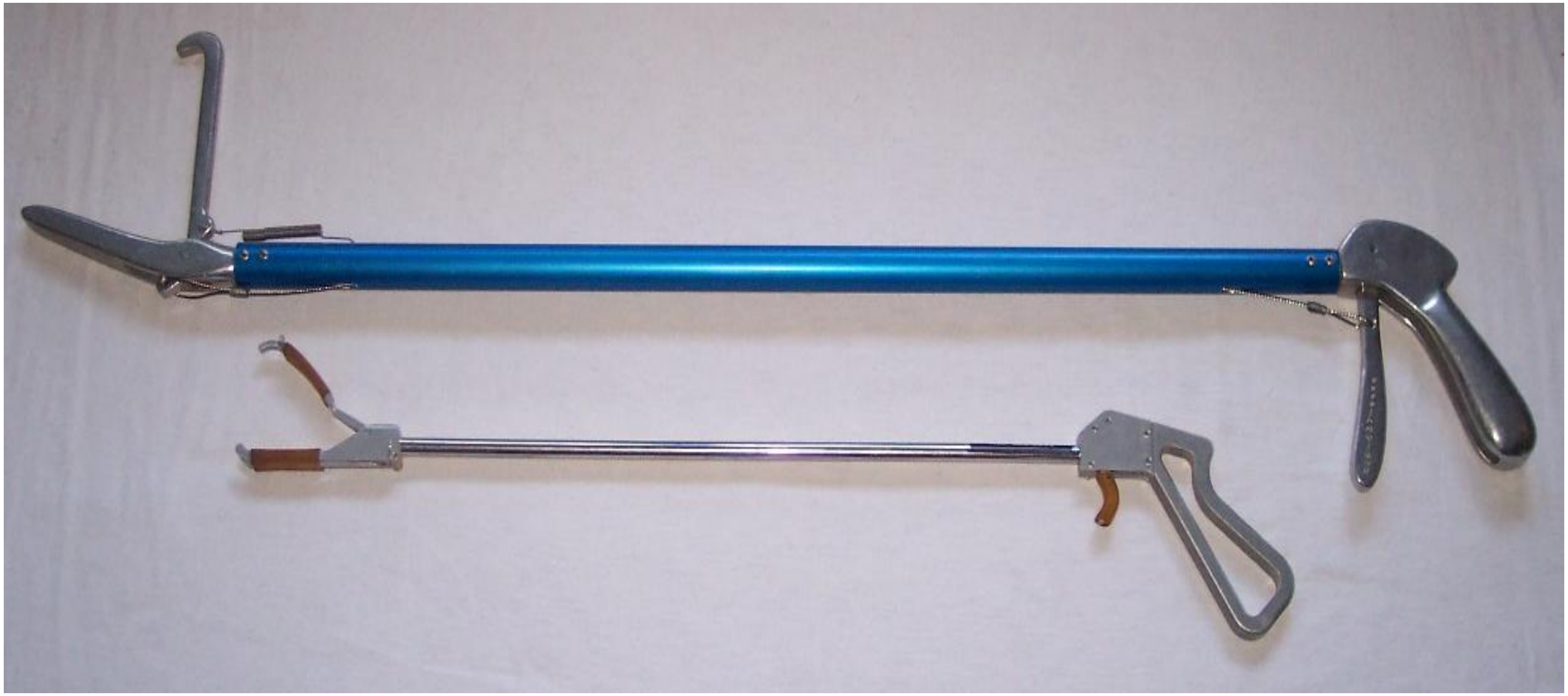

कुछ अन्य महत्वपूर्ण उपकरण

धन्यवाद ।